P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-3* ISSUE-11*(Part-1) February 2019
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

जनपद फर्रूखाबाद के कृषि भू–उपयोग का एक भौगोलिक अध्ययन

अकालू प्रसाद चौरसिया
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
भूगोल विभाग,
आर0 पी0 पी0 जी0 कालेज,
कमालगंज, फर्रूखाबाद
(उ0प्र0)

सारांश

किसी क्षेत्र के लिए भूमि का सर्वाधिक महत्व है। चाहे वह कृषि कार्य से सम्बन्धित हो अथवा बसाव/विन्यास से सम्बन्धित। कृषि भू:उपयोग, भारतीय भू–उपयोगों में एक महत्वपूर्ण भूमि उपयोग है। जो प्रायः 65–70 प्रतिशत भू–भागांश होता है। जनपद फर्रूखाबाद में इस कृषि का भू–भागांश 69.21 प्रतिशत है। जिसमें, रबी फसल के अन्तर्गत 58.18 प्रतिशत, खरीफ के अन्तर्गत 35.85 प्रतिशत तथा जायद के अन्तर्गत 05.97 प्रतिशत भू–भागांश है। जहाँ गेंहूँ, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूँगफली, तम्बाकू गन्ना, तिलहन, आलू (आलू के लिए फर्रूखाबाद प्रसिद्ध है), गुहियां (अरूवी), चावल (सामान्य), शाक–सब्जी, तरबूज, खरबूजा, ककड़ी, खीरा तथा फलों में अमरूद (सपड़ी) व आम के लिए प्रसिद्ध है। आलू, अरूवी, तम्बाकू व गन्ना (विशेष रूप से कायमगंज क्षेत्र) जनपद की अर्थव्यवस्था के लिए "रीढ़ की हड्डी" है। इनका व्यापार बड़े महानगरों–दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर व अन्य नगरों से जुड़ा हुआ है। इस जनपद का सम्पर्क देश के प्रत्येक क्षेत्रों से रेल व सड़क मार्ग से है। इसलिए इस क्षेत्र का विकास कृषि (खेती) के साथ–साथ पशुपालन व उनके उत्पादों के द्वारा हुआ है। जिसमें सरकारी व गैर–सरकारी संस्थाओं का विशेष योगदान है और अपेक्षित भी है। जिससे भावी विकास व प्रसार सम्भव हो सकेगा।

मुख्य शब्द : भू–उपयोग, विन्यास, सपड़ी, भू–भागांश, रीढ़ की हड्डी, भावी प्रसार, मानवीय विकास इत्यादि।

प्रस्तावना

भोजन मानव की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है तथा मानव को भोजन का अधिकांश भाग विभिन्न प्रकार के अनाजों से प्राप्त होता है। जो कृषि द्वारा उत्पन्न किये जाते हैं। अतः मानव जीवन का अभिन्न एवं अद्वितीय अंग है। इसी कारण संसार में कृषि कार्य बहुत प्राचीन काल से होता आ रहा है। वेदों में मिट्टी के प्रकार कृषि विधियों, कृषि यंत्रों आदि का सम्यक् विवरण उपलब्ध है। प्राचीन भारत में आदिम स्वभाव वाली कृषि एक सफल व संतुलित आर्थिक किया थी। खाद्य पदार्थ का मुख्य स्रोत कृषि है। इसे "प्रगति का इंजन" भी कहा जाता है। यहाँ की जनसंख्या कृषि के माध्यम से ही अपना जीविकोपार्जन करती है। कृषि से खाद्य पदार्थों के साथ–साथ औद्योगिक किया–कलापों के लिए कच्चा माल भी प्राप्त होता है। अतः स्पष्ट है कि जनपद फर्रूखबाद में कृषि के क्षेत्र में क्रान्तिकारी परिवर्तन आया है तथा इसकी आवश्यकता भी है।

अध्ययन क्षेत्र "फर्रूखाबाद जनपद, उ0 प्र0, भौगोलिक रूप से गंगा एवं राम गंगा नदियों की गोद में 26° 46′ उत्तरी अक्षांश तथा 79° 07′ पूर्वी देशान्तर, 2,28,830 हेक्टेअर क्षेत्र पर 18,87,577 (वर्ष 2011) जनसंख्या के साथ विस्तृत, पुष्पित तथा फल्वित है। यह जनपद 03 तहसीलों, 07 क्षेत्र पंचायतों, 511 ग्राम पंचायतों, 1010 गावों (Villages), 13 थानों, 02 नगरपालिकाओं, 04 नगर पंचायतों एवं 01 छावनी परिषद से आच्छादित है। जनपद का मुख्यालय फतेहगढ़ में स्थित है। जो अन्य महानगरों कानपुर–125 किमी0, लखनऊ–196 किमी0, बरेली–126 किमी0 दिल्ली–275 किमी0 की दूरी पर राष्ट्रीय राज सड़क मार्ग सं0–02 एवं 29 A तथा रेल मार्ग से संलग्न है।

जनपद फर्रूखाबाद, गंगा के मैदानी व कक्षारी भाग तथा प्रमुख नदी गंगा जो सामान्यतः उत्तर से दक्षिण की ओर प्रवाहित होती है तथा उसकी सहायक काली व राम गंगा नदियों के दोआब क्षेत्रों में, सामान्य ढाल एवं ऊबड़–खाबड़, लहरदार तथा भूड़ (Bhoor) युक्त, समुद्र तल से 167.64 मी0 की

औसत ऊँचाई पर बलुई, बलुई–दोमट, जलोढ़ एवं भूरी मिट्टियाँ जो अधिकाधिक उपजाऊ हैं, के साथ फैला हुआ है। इस क्षेत्र की मिट्टियों का pH मान 6.5–7.5 है। यहाँ का औसत तापमान ग्रीष्म कालीन 27.93°C तथा शीत कालीन 15.23°ब और औसत वार्षिक वर्षा 95.45 सेंमी0 है।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध प्रपत्र के उद्देश्य इस प्रकार हैं–

1. अध्ययन क्षेत्र के भौगोलिक स्वरूप की व्याख्या करना।
2. कृषि क्षेत्र में वृद्धि, विकास एवं मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना एवं निराकरण करना।
3. स्थानीय, प्रादेशिक तथा राष्ट्रीय स्तर पर पड़ने वाले प्रभावों का ऑकलन करना।
4. उक्त समस्याओं के निराकरण सम्बन्धी उपायों को ढूँढ़ना।

जनपद फर्रूखाबाद की लगभग 75–80 प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। जब तक कृषि में परिवर्तन नहीं लाया जाता तब तक अन्य सुविधाओं का क्षेत्र के विकास पर उतना महत्व रख पायेगा। इसलिए कृषि के क्षेत्र में लगातार विकसित प्रयासों की परम आवश्यकता है। इससे न सिर्फ क्षेत्र में खाद्यान्नों की आपूर्ति होगी बल्कि पलायन भी घटेगा एवं खाद्यान्नों की खरीद व बेरोजगारी में कमी आयेगी। इसके अतिरिक्त उन जोतों को भी बंजर होने से से बचाया जा सकता है। जनपद फर्रूखाबाद एक कृषि प्रधान जनपद है, कृषि जिसकी रीढ़ है। यहाँ की जनसंख्या कृषि कार्य से अपनी जीविका के साथ साथ ही अपनी अर्थव्यवस्था को बनाये रखने में सक्षम हैं। जनपद फर्रूखाबाद आलू उत्पादन में अग्रणी है। इसके अलावा यहाँ मक्का, गेंहँ, गन्ना, तम्बाकू, तिलहन, जौ के अलावा बड़े पैमाने पर शाक–सब्जी, फलों में आम, अमरूद एवं अन्य व्यापारिक फसलों व दूध एवं दुग्ध उत्पादों का उत्पादन व व्यापार बड़े पैमाने पर किया जाता है।

कृषि क्षेत्र में रोजगार जुटाने की क्षमता तथा राष्ट्रीय आय में कृषि का योगदान भी ऐसे मजबूत पहलू है जो कृषि को औद्योगिक स्तर मिलने का पक्ष मजबूत करते हैं। हमारे देश में लगभग 69 करोड़ लोग कृषि क्षेत्र में काम करके जीविका कमा रहे है। कृषि को नवीन रूप देने का मतलब है, कृषि क्षमता और कुल राष्ट्रीय उत्पादन में वृद्धि करना। इस उद्देश्य से हरित क्रान्ति के बाद से ही कृषि को बढ़ावा दिया गया। उससे लगभग छः प्रतिशत किसानों को लाभ प्राप्त हुआ है। यह कहा जा सकता है कि "आर्थिक जीवन एक वृक्ष के समान है जिसकी जड़ें कृषि है तथा व्यापार शाखायें एवं पत्तियाँ हैं"।

कृषि सम्बन्धित क्रिया–कलाप

सारणी–1 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि जनपद फर्रूखाबाद का कुल प्रतिवेदन क्षेत्र 219911 हेक्टेयर है। जिसमें शुद्ध बोया गया क्षेत्र 152191 हेक्टेयरपर (69.63 प्रतिशत) है। सर्वाधिक शुद्ध बोया गया क्षेत्र कमालगंज विकास खण्ड में 80.63 प्रतिशत तथा सबसे कम शुद्ध बोया गया क्षेत्र 61.65 प्रतिशत कायमगंज विकासख्ण्ड में है। जनपद में वनों के अन्तर्गत आने वाली भूमि का क्षेत्र 0.49 प्रतिशत, कृषि योग्य बंजर भूमि 2.27 प्रतिशत, परती भूमि 11.39 प्रतिशत, ऊसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि 3.67 प्रतिशत, कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि का क्षेत्र 10.99 प्रतिशत, चरागाह 0.32 प्रतिशत तथा उद्यानों एवं झाड़ियों के अन्तर्गत 1.66 प्रतिशत क्षेत्र आता है। सबसे कम भूमि चरागाह के अन्तर्गत आती है जो कि 0.32 प्रतिशत है।

जनपद के सर्वाधिक वनों के अन्तर्गत क्षेत्र राजेपुर विकासखण्ड में 1.37 प्रतिशत व सबसे कम क्षेत्र 0. 13 प्रतिशत कायमगंज विकासखण्ड में है। कृषि के योग्य बंजर भूमि सर्वाधिक राजेपुर विकासखण्ड में 1182 हेक्टेयर पर तथा सबसे कम 367 हे0 बढ़पुर विकासखण्ड के अन्तर्गत आता है। ऊसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि का क्षेत्र जनपद में 3.67 प्रतिशत है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र 3.69 प्रतिशत व नगरीय क्षेत्र 1.32 प्रतिशत है। सर्वाधिक ऊसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि का क्षेत्र 4.65 प्रतिशत मोहम्मदाबाद विकासखण्ड में तथा सबसे कम क्षेत्र (1.83 प्रतिशत) कमालगंज विकासखण्ड के अन्तर्गत आता है। परती भूमि का सर्वाधिक क्षेत्र 16.07 प्रतिशत कायमगंज विकासखण्ड में तथा सबसे कम 1590 हे0 (4.92 प्रतिशत) कमालगंज में है।

कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि का क्षेत्र 24165 हेक्टेयर (10.99 प्रतिशत) है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र (10.63 प्रतिशत) व नगरीय क्षेत्र (54.32 प्रतिशत) है। कृषि के अतिरिक्त अप्य उपयोग की भूमि कायमगंज विकासखण्ड में 4976 हे0 (13.19 प्रतिशत), नवाबगंज विकासखण्ड में 5.29 प्रतिशत, बढ़पुर विकासखध्ड में 9.38 प्रतिशत तथा सबसे कम मोहम्मदाबाद विकासखण्ड में 6. 28 प्रतिशत और 2739 हे0 (8.48 प्रतिशत) कमालगंज विकासखण्ड में है। जनपद में सबसे कम भू–भाग पर चरागाह पाये जाते हैं। जिनका क्षेत्र 0.32 प्रतिशत है। सबसे कम चरागाह वाली भूमि 0.11 प्रतिशत कमालगंज विकासखण्ड में तथा सर्वाधिक क्षेत्र (0.73 प्रतिशत) मोहम्मदाबाद विकासखण्ड में एवं राजेपुर विकासखण्ड में चरागाह योग्य भूमि का अभाव है। उद्यानों, वृक्षों एवं झाड़ियों के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्र शमसाबाद विकासखण्ड में 982 हेक्टेयर (2.87 प्रतिशत) तथा सबसे कम क्षेत्र 167 हेक्टेयर (0.48 प्रतिशत) राजेपुर विकासखण्ड में पाया जाता है। विकासखण्ड बढ़पुर का अधिकांश क्षेत्र शहरी होने से यहाँ के कृष्य क्षेत्र में कमी है।

सारणी क्रमांक–1
जनपद फर्रूखाबादः भूमि उपयोग, वर्ष 2010–11

क्रमांक	विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित भूमि (हेक्टे0)	भूमि उपयोग (प्रतिशत में)							
			वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	परती भूमि	ऊसर एवं कृषि के लिए अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि	चारागाह	उद्यानों, बागों,वृक्षों एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल	शुद्ध बोया गया क्षेत्र
1	कायमगंज	37739	00.13	03.13	16.07	04.68	13.19	00.12	01.03	61.65
2	नबावगंज	24234	00.15	01.50	13.34	0.585	05.29	00.53	01.35	71.99
3	*शमसाबाद*	34246	00.17	01.57	10.33	02.22	16.82	00.36	02.87	65.67
4	*राजेपुर*	34998	01.37	02.52	16.67	03.75	13.02	00.00	00.48	62.20
5	*बढ़पुर*	14215	01.15	02.58	09.74	02.31	09.38	00.49	01.66	72.69
6	*मोहम्मदाबाद*	40386	00.54	02.81	08.39	04.65	06.28	00.73	02.06	74.57
7	*कमालगंज*	32286	00.26	01.58	04.92	01.83	08.48	00.11	02.21	80.63
योग	*ग्रामीण*	218094	00.50	02.28	11.47	03.69	10.63	00.32	01.67	69.44
योग	*नगरीय*	1817	00.00	01.15	01.54	01.32	54.32	00.06	00.66	40.95
योग	*जनपद*	**219911**	**00.49**	**02.27**	**11.39**	**03.67**	**10.99**	**00.32**	**01.66**	**69.21**

स्रोतः–जनपद सांख्यिकीय पत्रिका, 2010–11

कृषि भूमि उपयोग

जनपद फर्रूखाबाद में सकल बोया गया क्षेत्र कुल 216291 हेक्टेयर है, जिसमें सर्वाधिक क्षेत्र विकासखण्ड कमालगंज 40480 हेक्टेयर तथा सबसे कम क्षेत्र 26698 हेक्टेयर नवाबगंज विकासखण्ड में है।रबी की फसल सर्वाधिक कमालगंज विकासखण्ड में63.82 प्रतिशत क्षेत्र पर तथा सबसे कम बढ़पुर विकासखण्ड में 50.82 प्रतिशत क्षेत्र पर होती है। खरीफ की सर्वाधिक फसल विकासखण्ड मोहम्मदाबाद में 38.38 प्रतिशत क्षेत्र पर तथा सबसे कम कमालगंज विकासखण्ड में होती है। जायद की सर्वाधिक फसल विकासखण्ड राजेपुर में 2105 हेक्टेयर (12.75 प्रतिशत) पर होती है। ग्रामीण क्षेत्र में सर्वाधिक फसल रबी की 125254 हेक्टेयर (58.21 प्रतिशत) तथा सबसे कम फसल जायद की 12804 हेक्टेयर (5.95 प्रतिशत) में होती है। जनपद में नगरीय क्षेत्र 1116 हेक्टेयर है। जिसमें रबी की फसल 52.60 प्रतिशत, खरीफ की फसल 37.54 प्रतिशत तथा जायद की फसल 9.86 प्रतिशत क्षेत्र पर होती है। जिसका विस्तृत विवरण सारणी संख्या–2 में दिया गया है। सारणी क्रमांक–2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि जनपद फर्रूखाबाद में कुल बोया गया क्षेत्र 216291 हेक्टेयर है। जिसमें सर्वाधिक क्षेत्र कमालगंज विकासखण्ड में 40480 हेक्टैयर तथा सबसे कम बढ़पुर विकासखण्ड में 16515 हेक्टेयर है, शुद्ध बोया गया क्षेत्र 152191 हेक्टेयर (70.36 प्रतिशत) है। सर्वाधिक क्षेत्र विकासखण्ड मोहम्मदाबाद में 30116 हेक्टेयर (75.94 प्रतिशत) तथा सबसे कम क्षेत्र बढ़पुर विकासखण्ड में 10333 हेक्टेयर (62.56 प्रतिशत) है। एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र सर्वाधिक विकासखण्ड कमालगंज में 35.69 प्रतिशत तथा सबसे कम बढ़पुर विकासखण्ड में 6182 हेक्टेयर (37.44 प्रतिषत) है। ग्रामीण शुद्ध बोया गया क्षेत्र 15447 हेक्टेयर (70.38 प्रतिशत) तथा नगरीय क्षेत्र 744 हेक्टेयर (66.67 प्रतिषत) है। एक बार से अधिक बोया गया ग्रामीण क्षेत्र 63728 हेक्टेयर (29.62 प्रतिशत) तथा नगरीय क्षेत्र 372 हेक्टेयर (33.33 प्रतिशत) है।

सारणी क्रमांकः 2
जनपद फर्रूखाबादः कृषि भूमि उपयोग एवं फसल क्रम

क्रमांक	विकासखण्ड	कुल बोया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में)	शुद्ध बोया गया क्षेत्र (प्रतिशत में)	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र (प्रतिशत में)	सकल बोया गया क्षेत्र (प्रतिशत में)		
					रबी	खरीफ	जयद
1	कायमगंज	30647	75.92	24.08	55.19	38.20	06.61
2	नबावगंज	26698	65.35	34.65	59.26	35.97	04.77
3	*शमसाबाद*	*31337*	*71.75*	*28.25*	*56.84*	*36.68*	*06.28*
4	*राजेपुर*	*29838*	*72.96*	*27.04*	*59.66*	*37.85*	*02.49*
5	*बढ़पुर*	*16515*	*62.56*	*37.44*	*50.82*	*36.43*	*12.75*
6	*मोहम्मदाबाद*	*39660*	*75.94*	*24.06*	*57.15*	*38.38*	*04.47*
7	*कमालगंज*	*40480*	*64.31*	*35.69*	*63.86*	*28.95*	*07.19*
योग	*ग्रामीण*	*215175*	*70.38*	*29.62*	*58.21*	*35.84*	*05.95*

योग	*नगरीय*	*1116*	*66.67*	*33.33*	*62.60*	*37.54*	*09.86*
योग	*जनपद*	*216291*	*70.36*	*29.64*	*58.18*	*35.85*	*05.97*

स्रोतः–जनपद सांख्यिकीय पत्रिका, 2010–11

उपरोक्त विवरणों के अध्ययनों के उपरान्त हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि जनपद फर्रूखाबाद एक उपजाऊ भूमि एवं परिश्रमी जनसंख्या का बसा क्षेत्र है जहाँ विविध प्रकार की खाद्य व व्यापारिक फसलें उत्पन्न की जाती हैं। यहाँ कायमगंज क्षेत्र गन्ने एवं तम्बाकू के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। गन्ने की खपत सामान्य उपयोग/उपभोग के अलावा कायमगंज चीनी के मिल (फैक्ट्री) में प्रयुक्त होते हैं। इसी क्रम में गन्ने वाहनों द्वारा शाहजहाँपुर के चीनी मिलों में ले जाया जाता है। फर्रूखाबादी आलू राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खपत होता है। जो रेलगाड़ियों, ट्रकों एवं विशेष वाहनों द्वारा भारत के कोने–कोन एवं विशेष रूप से नेपाल देश को भेजा जाता है। जिससे इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था विशेष रूप से मजबूत है/हो रही है।

निष्कर्ष

अध्ययन क्षेत्र फर्रूखाबाद में कृषि भूमि का महत्व अत्यधिक है। यहाँ अधिकांश भू–उपयोग कृषि कार्य के रूप में वर्ष में तीन बार उपयोग में लायी जाती है। नदी के कछार अर्थात् बालू जमाव क्षेत्र में ग्रीष्म कालीन जायद फसलें यथा–ककड़ी, खीरा, तरबूज, खरबूजा, लौकी, कद्दू (कुम्हड़) तरोई इत्यादि बड़े पैमाने पर उत्पन्न की जाती है। यह मुख्य रूप से विकासखण्ड बढ़पुर, कमालगंज, कायमगंज और शमसाबाद में अधिक है। शुद्ध बोया गया सर्वाधिक क्षेत्र मोहम्दाबाद तथा एक से अधिक बार बोये जाने वाले क्षेत्रों में कमालगंज विकासखण्ड क्षेत्र है। अतः यह कहा जा सकता है कि फर्रूखाबाद जनपद कृषि क्षेत्र एवं कृषि भू–उपयोग के क्षेत्र में विशिष्ट जनपद है। जहाँ की जनसंख्या कृषि कार्य एवं कृषि पर आधारित उद्योगों से अपनी जीविकोपार्जन करती है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *Singh, K.N. and B. Singh, 1970 :Land use, Cropping Pattern and Their Ranking in Shahganj Tahsil: A Geographical analysis, N. G. J. I., Varanasi, p. 221.*
2. *Shafi M., 1965: Pattern of Crop land use in Ganga-Yamuna Doab, The Geographer, Vol. 48, No. 1, pp 110-116.*
3. *Tkuin lkaf[;dh; if=dk% 2010&11*
4. *Gupta J.P, 1981: Economic Geography, "Distributional Pattern of multiple cropping in Sangrampur (U.P.), perspective in Agricultural Geography", Concept Publication Company, New Delhi.*
5. *Gutmann, M.P., S. Pullum-Piñón, S.G. Baker, and I.C. Burke 2004 German-origin settlement and agricultural land use in the twentieth century Great Plains. In* German-American Immigration and Ethnicity in Comparative Perspective, *W. Kamphoefner and W. Helbich, eds. Madison: University of Wisconsin Press.*
6. *Parker, D.C., T. Berger, and S.M. Manson 2002* Agent-Based Models of Land Use and Land Cover Change: LUCC Report Series 6. *Bloomington, IN: LUCC Focus 1 Office.*
7. *Parker, D.C., S.M. Manson, M.A. Janssen, M.J. Hoffmann, and P. Deadman 2003 Multi-agent systems for the simulation of land-use and land-cover change: A review.* Annals of the Association of American Geographers *93(2):314-337.*
8. *Ali, Mohammad, 1972: Studies in Agricultural Geography, Rajesh publications, New Delhi.*
9. *Amani, K.Z., 1964: Land use Survey in India: A Study in Purpose Methodology.*
10. *Internet services etc.*